

पयाति *wird zur Freude* Spr. 2042. — 3) *intre* (feminam): अनुपयान्पति: Spr. 636, v. l. तस्मात्स युवतीमन्यो नाकामामुपयास्यति R. 7, 26, 55. अघर्मतश्चोपयाता MBh. 8, 2081. — Vgl. उपयान, उपयायिन्.

— अयुप 1) *herbeikommen, hingehen zu, losgehen auf* R. 1, 73, 5. 4, 62, 12. निवेशायाम्युपायामः MBh. 7, 1967. तौ राजपुत्रौ सकृत्साम्युपायाच्छापेव राक्षोर्दिवि चन्द्रसूर्यौ R. 2, 29, 33. — 2) *in einen Zustand u. s. w. kommen: शमम् zur Ruhe gelangen* MārK. P. 131, 19.

— उपोय *gelangen zu, antreten: ते द्वादशं वर्षमुपोपयाता* (wohl so zu lesen) वने विहर्तुं कुरवः MBh. 3, 12358.

— प्रत्युप *zurückkehren* MBh. 4, 2356. प्रत्युपायां पुनर्गृहम् (so die ed. Bomb. st. गृहे der ed. Calc.) 1, 8393. प्रत्युपायाद्गृहे प्रति 13, 1883. कालस्त्वयं प्रत्युपयाति दारुणो दुर्वेद्यो नो युद्धमुपागमद्यत् 8, 1991.

— समुप 1) *zusammen herbeikommen: जनैश्च: समुहोस्तत्र समुपायात्समस्ततः* R. Gorr. 2, 82, 12. *hingehen —, sich begeben zu: महीतलम्* MBh. 3, 1912. वाहिनीम् Varāh. Bh. S. 47, 25. अस्तम् 11, 34. अतस्त्वा शरण्यशरणां समुपयाता: 43, 1. — 2) *in einen Zustand u. s. w. kommen: संदर्शनम् sichtbar werden* Varāh. Bh. S. 87, 26.

— नि 1) *überfahren* (mit einem Wagen): अमित्रयत्तं सर्वरथा नि यांति Rv. 5, 35, 5. अचक्रेभिस्तं मरुतो नि यात 42, 10. गिरिम् 54, 5. — 2) *herabkommen zu: विभिद्यवानमश्चिना नि याथ: Rv. 5, 75, 5. — 3) gerathen in: मार्कौ पात्रमयं नियाम्* ĀcV. Grh. 1, 13, 7. — Vgl. निययिन्, नियान.

— परिणि P. 8, 4, 17, Sch.

— प्रणि P. 8, 4, 17, Sch. Vop. 8, 22, 9, 16. *gerathen in: रूपम्* BHATT. 9, 100.

— निम् 1) *hinausgehen, — fahren, — ziehen, das Haus verlassen, hervorkommen aus* MBh. 1, 4912. 2, 951. 4, 987. चतुरङ्गवलं चापि शीघ्रं निर्यातु R. 1, 69, 3. 2, 47, 11. 57, 19. fg. 68, 7. 70, 3. निर्यातो वाभियातो वा 71, 20. R. Gorr. 1, 71, 2. 3, 28, 27. 4, 33, 29. 6, 11, 6. Spr. 1084. Kathās. 12, 67. 154. 15, 90. 18, 108. 186. 23, 53. 28, 144. 32, 308. fg. 53, 37. राज्ञो यात्रामु Rāgā-Tar. 3, 78. 121. 5, 53. 254. 257. 259. Buāg. P. 8, 16, 7. 9, 13, 27. Vet. in LA. (III) 20, 19. BHATT. 8, 5. 15, 95. वह्निम् Kathās. 18, 182. 33, 48. नगरात् MBh. 1, 5001. गृहात् 5452. R. 2, 76, 19. Spr. 1230. Ragh. 10, 38. Kathās. 13, 95. 27, 151. Rāgā-Tar. 3, 104. Buāg. P. 1, 10, 14. 4, 30, 44. BHATT. 2, 1. युद्धाय MBh. 8, 1260. Hariv. 10732. Ragh. 12, 83. Kathās. 49, 87. दिग्जयाय Rāgā-Tar. 4, 403. क्वचिद्विद्वान् PAKĀT. 238, 19. मृगयाम् *auf die Jagd* MBh. 13, 346. समीपं मानवेन्द्राणाम् Hariv. 9603. वाह्नैः — नरा निर्यात्पर्यायानि Spr. 4423. Buāg. P. 2, 2, 26. न च निर्यात्ति प्राणा मे Kathās. 23, 131. Spr. 3337. हिरण्मयानि वित्त्वानि तदा निर्यात्ति कुण्डतः Kathās. 33, 61. 53, 68. यद्यार्चिषो ऽग्नेः सवितुर्गमस्तयो निर्यात्ति Buāg. P. 8, 3, 23. बालनिर्यातधूप 10, 71, 33. तन्मुखनिर्यातं यशः 4, 31, 24. — 2) *vergehen, verstreichen: ह्ययनानि दिनानीव तदानां मम निर्यायुः* Spr. 3401. — 3) *bereinigen* (ein Feld) MBh. 12, 3586; vgl. निर्यातर (auch in den Nachträgen). — 4) *bei Seite legen: आपदर्थं च निर्यातं (= दत्तं Nilak.) धनं त्विह विवर्धयेत्* (so die ed. Bomb. st. राज्ञा न इह विन्दते der ed. Calc.) MBh. 12, 3283. — Vgl. निर्या fg. und निर्याति. — caus. 1) *hinausgehen —, hinausziehen lassen: सेनाम्* MBh. 5, 5702. R. 7, 64, 18. *hinausjagen: शिविरात्* Buāg. P. 1, 7, 56. स्वपुर्याः 3, 1, 41. — 2) *wegschaffen, aufheben: निर्यापितदेहधर्म* Buāg. P. 3, 21, 17. — 3) *beginnen, unternehmen: निर्यापितो महेत्सवः* Buāg. P. 4, 3, 8. — Vgl. निर्यापण.

— desid. s. निर्यायासु.

— अभिनिम् *hinausgehen, — ziehen* MBh. 3, 654. 4, 1033. 1252. Buāg. P. 10, 63, 5. नगरात् MBh. 14, 2177. R. 2, 71, 1. 7, 23, 4, 89. युद्धाय 6, 27, 19. वधायास्य 3, 28, 16. — Vgl. अभिनिर्वाण.

— प्रतिनिम् *wieder herauskommen: (यथा) न जीवन्प्रतिनिर्वाति मरुतो ऽस्माद्भद्रजात्* MBh. 6, 5155. यथा प्रयुक्तं शोकारः प्रतिनिर्वाति मूर्धनि MārK. P. 42, 6.

— विनिम् *hinausgehen, — fahren, — ziehen* MBh. 1, 4913. 2, 2592. 4, 985. 5, 7436. Kathās. 12, 62. 24, 51. 32, 75. 34, 125. 88, 14. Rāgā-Tar. 5, 59. 327. 448. वह्निम् 3, 160. उद्रात् Kathās. 23, 52. तरोः 26, 208. स्थानात् Rāgā-Tar. 5, 218. 2, 164. राजधान्याः 256. युद्धाय Kathās. 58, 6. दिग्जयाय Rāgā-Tar. 3, 27. 4, 513. तान्प्रति Hariv. 10626. प्राणास्तस्या विनिर्यायुः Kathās. 13, 90. षष्ठिः पुत्रसकृन्नाणि भिन्ने तुम्बे विनिर्यायुः R. Gorr. 1, 40, 17. विकाशासि विनिर्यातैः खड्गरश्मिभिः Kathās. 112, 153. विनिर्यात्ती वज्रात् — आज्ञा Rāgā-Tar. 4, 218. मानल्लानिर्विनिर्यायौ । मानसात् 585. यथा मात्रा कृतास्तस्माद् (हृदयात्) उपदेशा विनिर्यायुः Kathās. 12, 81. विनिर्याति (im Gegens. zu समायाति) सदा लक्ष्मोर्गन्धुक्तकपितयवत् Spr. 3177. — Vgl. विनिर्याण.

— परा *weggehen, hingehen: परो याहि मघवन्ना च याहि Rv. 3, 53, 5. AV. 18, 3, 14. — caus. Kauç. 88.*

— परि *umherwandeln, umwändeln, umfahren, durchwandern: herbeikommen: याभिः सूर्यं परियाथ: पर्यावति Rv. 1, 112, 13. द्यावापृथिवी पाथना परि 5, 35, 7. 10, 49, 7. रथः 3, 58, 8. 4, 15, 2. 7, 69, 5. वर्तिरेश्चिना परि यातमस्मू 8, 26, 14. 5, 75, 7. 10, 85, 18. AV. 13, 2, 4. 6. Kauç. 16. LĀTJ. 3, 10, 4. MBh. 12, 8019. शनैस्तदा परियाथो श्वेताश्वश्च महारथः 14, 2135. समसात्परियातो ऽसि R. Gorr. 2, 106, 19. सेनां कृत्स्नाम् MBh. 5, 5701. मरुहम् 12, 2527. पुरीम् R. 6, 31, 3. abrinren, vom Soma Rv. 9, 82, 2. 5. 83, 5. durchlaufen: विश्वां रूपा 9, 111, 1. umringen, umgeben: अन्तर्विद्यैः 1, 121, 9. umgehen so v. a. hüten: परि कृत्पद्वर्तिर्यथो रिपुः 6, 63, 2. अग्निः सकृन्ना परि याति गोनाम् 10, 80, 5. umgehen so v. a. vermeiden: यथो परियास्यंहेः 6, 37, 4. — Vgl. परियाण fgg. — caus. Jmd umherwandeln —, die Runde machen lassen: पुरोहितं तं परियाप्य (= प्रस्थाप्य Nilak.) MBh. 1, 7205. — परियापयमाण Kauç. zu P. 8, 4, 29.*

— अनुपरि *rings durchfahren: सर्वा दिशा ऽनुपरियायात्* ĀcV. Grh. 3, 12, 15. Dioso Lesart halten wir für die richtige.

— प्र 1) *sich auf den Weg machen, aufbrechen, eine Fahrt antreten; gehen —, sich hinbegeben —, fahren zu* (acc.): प्र ये युयुचुकासो रथा इव Rv. 7, 74, 6. 92, 3. 93, 1. प्र स्पेन्द्रा याथो मनुषो न हेतो 1, 180, 9. प्र यातन् सखीरुक्को सखायः 163, 13. 2, 16, 7. अस्तमिन्द्र प्र याहि 3, 53, 6. 4, 19, 5. 8, 27, 8. 9, 69, 9. 86, 16. 97, 8. प्र याह्यच्छैशतो पविष्ठ 10, 1, 7. 8, 1. VS. 12, 32. 28, 14. TBr. 3, 7, 1, 1. Çat. Br. 6, 7, 4, 9. 8, 1, 3. 5. Muṅp. Up. 1, 2, 11. Der inf. प्रये (vgl. P. 3, 4, 10) findet sich Rv. 10, 104, 3 (in anderer Verbindung beim Schol. zu P.), wo übrigens प्रये zu vermuthen ist. ततः सर्वे तथेत्युक्ता मात्रा सह महारथाः । प्रययुः MBh. 1, 6041. 3, 2634. 15690. 16908. Hariv. 3325. R. 1, 69, 5. 2, 46, 30. R. Gorr. 1, 9, 40. 58, 32. 92, 35. Mṛkēu. 11, 18. 120, 1 (प्रयाम शीघ्रं zu trennen). विमुखाः प्रयाति Spr. 3034. 4390. Varāh. Bh. S. 28, 15. Kathās. 12, 43. 105. 14, 64. 18, 346. 26, 133. 32, 48. 51, 193. 52, 90. 276. Rāgā-Tar. 5, 292. Buāg. P. 1, 13, 28.